

जासूसी के आरोपों में गिरफ्तार किये गये व्यक्ति

3130. श्री हुक्मदेव नारायण यादव : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1985 के बाद गुप्तचरी के अपराध में कितने सरकारी और गैरसरकारी लोगों को पकड़ा गया है; और

(ख) क्या सरकार को पहले से इसकी कोई जानकारी थी और यदि हाँ, तो कब से और इस संबंध में समय पर कार्यवाही नहीं करने के क्या कारण थे ?

गृहमंत्री (श्री एस० बी० चव्हाण :

(क) अब तक उपलब्ध सूचना के अनुसार जनवरी, 1985 के बाद गुप्तचरी गतिविधियों के लिए गिरफ्तार किए गए सरकारी कर्मचारियों तथा गैर सरकारी व्यक्तियों के संबंध में स्थिति इस प्रकार है :-

क्रम सं०	राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम	सरकारी कर्मचारियों की संख्या	गैर सरकारी व्यक्तियों की संख्या
1	दिल्ली प्रशासन	2	2
2	जम्मू व काश्मीर	—	29
3	पंजाब	4	33
4	राजस्थान	—	1

आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिमी बंगाल राज्य सरकारों तथा लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र की सूचना अभी उपलब्ध नहीं है। शेष राज्य सरकारों तथा संघ शासित क्षेत्रों ने "शून्य" सूचना भजी है।

(ख) जब भी जांच पड़ताल से शासक, गुप्त वात अधिनियम के उल्लंघन का पता चलता है तो गिरफ्तारियों सहित उचित कार्रवाई का जाता है।

सरकारी-कर्मचारियों की सेवावधि का बढ़ाया जाना

3131. श्री हुक्मदेव नारायण यादव : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1985 से अब तक विभिन्न विभागों के ऐसे कर्मचारियों की संख्या कितनी है जिनकी, उनके सेवाकाल के समाप्त होने के बाद सेवावधि बढ़ाई गयी है; और

(ख) सेवावधि को बढ़ाये जाने के क्या कारण हैं ?

कानिक और प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) और (ख) जनवरी, 1985 तथा उस के पश्चात् की अवधि के दौरान केन्द्रीय स्टाफिंग योजना के अन्तर्गत आने वाले पदों पर कार्यरत विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के 33 अधिकारियों की सेवावधि प्रशासनिक कारणों तथा लोअहित में बढ़ा दी गई थी। इन अधिकारियों में से अब तक 19 अधिकारियों को उन की बढ़ी हुई सेवावधि के समाप्त होने पर उन के संबंधों में प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

Demand for inquiry into allegations against Bihar Chief Minister

3132. SHRI HUKMDEO NARAYAN YADAV: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in their letter dated the 22nd October, 1985 some Members of Parliament have demanded an inquiry into the allegations made against the Bihar Chief Minister by the Members of Legislative Assembly, Bihar; and